नई सोच, नया आयाम

RNI No. CHHHIN/2009/35020

पेज -3 पर

मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना से अनुकंपा तिर्की को मिला ...

पेज -3 पर

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 200 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 2 ₹ ◆ पृष्ठ : 4

धरमजयगढ़, शुक्रवार 27 मई 2022

महिलाएं अपने परिवार के साथ-साथ देश की स्वर्णिम विकास के लिए ....

पेज -4 पर

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

एक नजर

ग्राम असौंदा में वन विभाग की टीम ने छापामार कार्रवाई कर 60 बोरी कोयला जब्त किया

तिल्दा नेवरा। तिल्दा के ग्राम असौन्दा में अलग अलग 2 जगहों में अवैध रूप से संचालित कोयला भट्ठों में छापेमारी की कार्यवाही वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में की गई। मौका स्थल से कुल 60 बोरी कोयले की पंचनामा बनाकर जब्ती की कार्रवाई की गई है।

छापामार टीम में वन विभाग के ष्टष्ह्र नायक रायपुर, ष्ठस्नह्र रायपुर विश्वेश कुमार एवं स्ष्ठह्र रायपुर मुखर्जी एवं परिछेत्र एस .एल.बंजारे के निर्देशन में सहायक परिछेत्र अधिकारी तिल्दा दीपक तिवारी इंदरचंद धनकर वनरक्षक, यदुकुमार साहू वनरक्षक, जागेश बांधे वनरक्षक शामिल थे। टीम में वन विभाग के अधिकारियों के अलावा सनत कुमार, प्रशांत, सौरभ, धर्मेंद्र, राधेश्याम, वाहन चालक रामेश्वर साहू एवं वन स्टॉफ की टीम में अनेक सदस्य शामिल थे।

लॉन टेनिस कोर्ट में मुख्यमंत्री ने लगाया सर्विस शॉट

रायपुर । मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जिला मुख्यालय जगदलपुर के इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम पहुँचे। वहां उन्होंने खिलाड़ियों के लिए बनाए गए खेल मैदान का उदघाटन किया। मुख्यमंत्री ने खेल मैदान की तारीफकी और कहा कि यह खेल मैदान बस्तर के खेल प्रतिभाओं को तराशने तथा उन्हें जरूरी सुविधा प्रदान कर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगा।

मितान क्लब के युवा आमजनता तक पहुंचा रहे शासकीय योजनाओं की जानकारी : मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज बस्तर विधानसभा के ग्राम बकावंड में भेंट मुलाकात अभियान के दौरान राजीव युवा मितान क्लब के युवक राजेश से चर्चा के दौरान कहा कि राजीव युवा क्लब के युवाओं द्वारा योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने का काम सराहनीय है। इससे आम जनता में योजनाओं के प्रति जागरूकता आएगी और वे योजनाओं का लाभ उठाने में सक्षम हो सकेंगे।

राजीव युवा मितान क्लब के राकेश ने भेंट-मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री को बताया कि वे क्लब में युवाओं के लिए कई गतिविधियों का आयोजन करते है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा जो शासकीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर रहे है वह सरहानीय है। इससे वनांचल में

रहने वाले लोग लाभान्वित होंगे।

भेंट-मुलाकात में मुख्यमंत्री से मिलने आये राजनगर के संतराम पाटले ने बताया कि वे राजीव गांधी किसान न्याय योजना के हितग्राही है। साथ ही प्रदेशभर के किसान इससे लाभान्वित है किंतु बड़ी बात यह है कि किसानों को जरूरत के समय यह राशि मिल रही है। उन्होंने कहा कि बीज खरीदने, खेत बनाने, बुआई और

कटाई के समय सहयोग मिलने से किसानों में खुशी है। यह कहते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री का धन्यवाद दिया। गोबर बेचकर किसी ने गहने खरीदे, किसी ने गाड़ी खरीदी तो कोई अपने बच्चों को अच्छे स्कूलों में पढ़ा रहा है। गोबर से आर्थिक संपन्नता आ रही है और लोग अपनी जरूरत पूरी कर पा रहे है। लोगों से मिलने मुख्यमंत्री जब बकावंड पहुंचे तब चर्चा के दौरान कृष्णा देवांगन ने बताया कि उन्होंने तीन लाख रुपए का गोबर बेचे है

यूपी सरकार के बजट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा-

अगले 5 साल के विकास का लक्ष्य दर्शा रहा बजट

लखनऊ। उत्तरप्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए आज विधानमंडल में करीब 6 लाख 15 हजार करोड़ रुपए का पहला बजट पेश किया वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बजट पेश किया है। बजट में प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा, युवाओं को नौकरी, कृषि, सहित सभी सेक्टरों में फोकस किया गया है। बजट पेश होने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि यह बजट अगले 5 साल के विकास का लक्ष्य दर्शा रहा है। उज्ज्वल भविष्य का ड्राफ्ट बजट कहा जाना चाहिए।

यह योगी सरकार का छठवां और प्रदेश की भाजपा सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला बजट है। बजट के केंद्र में भाजपा का लोक कल्याण संकल्प पत्र होगा जिसमें किये गए वादों को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाकर सरकार वर्ष 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव के लिए पुख्ता जमीन तैयार करेगी। बजट पेश करने से पहले प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने अपने आवास पर पूजा पाठ किया।

योगी आदित्यनाथ सरकार के इस बजट में बेहतर चिकित्सा सुविधा देने का संकल्प

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में बजट पेश करने वाले वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि बजट 2022-23 में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेक्टर को लेकर विशेष प्रावधान किया गया है। जिससे की लोगों को विशेष चिकित्सा सुविधा आसानी से उपलब्ध हो सके। प्रदेश की सरकार प्रत्येक व्यक्ति को हर जगह पर बेहतर चिकित्सा सुविधा सुलभ कराने की दिशा में निरन्तर कार्य कर रही है। विभिन्न वायरस जनित संक्रामक रोगों पर नियंत्रण एवं उपचार की क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि रिकार्ड समय में की गई। इसके साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के लिए अब 10,547 करोड़ 42 लाख रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

बजट में सभी का ध्यान, छात्र तथा किसान के साथ बुजुर्ग, महिला व मंदिर के विकास के लिए मिला धन

उत्तरप्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने गुरुवार को विधानसभा में अपने दूसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश किया। भाजपा के सबसे अनुभवी नेताओं में से प्रदेश के संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने दोनों कार्यकाल मिलाकर पांचवीं बार बजट पेश किया। सरकार के बजट में हर वर्ग का ख्याल रखा गया है। छात्र के साथ किसान, बुजुर्ग व महिला के हितों को वरीयता देने के लिए धन की व्यवस्था है। भाजपा सरकार ने मिशन 2024 को ध्यान में रखकर इस बार के बजट में विकास की हर योजना पर फोकस किया है।

मुख्यमंत्री ने दोनों भाई मानस और प्रियांश को दिए चेकमेट के टिप्स

रायपुर । शतरंज की बिसात पर सबसे अहम होता है सामने वाले खिलाड़ी की अगली चालों को भांप कर अपनी चाल चलना । आज मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने चेस में चेकमेट के ऐसे ही टिप्स एक दूसरे के खिलाफ शतरंज की बाजी खेल रहे चेस के नन्हे खिलाड़ी दो भाई प्रियांश तिवारी और मानस तिवारी को दिए। अपनी अगली चाल सोचने में तल्लीन दोनों बच्चों के पास पहुंचते ही मुख्यमंत्री ने मानस से कहा- आप तो मुझे देखने लगे, आपका ऊँठ तो गया ! मुख्यमंत्री के शब्द सुनते ही बच्चों सहित उपस्थित सभी लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ गयी। मुख्यमंत्री ने मानस- प्रियांश और पास ही शतरंज खेल रहे अवनी जेना और अदनान के खेल का जायज़ा लिया। मुख्यमंत्री ने गौर से सामने बिछी बिसात को कुछ पल ठहरकर देखा और प्रियांश को अपना वजीर आगे चलने की सलाह दी। मुख्यमंत्री को बताया गया कि ये चारों बच्चे चेस के स्टेट खिलाड़ी है। उन्होंने ने बच्चों को खूब शाबाशी देते हुए उनकी हौसलाअफ्जाई की।

गोबर बेचकर अपने पति के लिए खरीद ली बाइक, महिलाएं पूरे परिवार को कर रही सशक्त

रायपुर। गौठानों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े आर्थिक बदलाव का रास्ता खुल रहा है। बकावंड विकासखंड में आयोजित भेंट मुलाकात में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से आर्थिक तरक्की के राह पर निकल पड़े अनेक ग्रामीणों ने अपनी कहानी साझा की।

मंगनार से आई नीलिमा देवांगन ने बताया कि गोबर बेचकर उन्होंने 80 हजार रूपए की बाइक अपने पति के लिए खरीदी। सारे सपने गौठान से पूरे हो रहे हैं। गौठान के माध्यम से उनका समूह भी आर्थिक रूप से काफी सशक्त हुआ है। उन्होंने बताया कि हमारा गौठान काफी आगे चल रहा है और दस लाख रुपए हमें वर्मी खाद बेचकर प्राप्त हुआ है। 13 लाख रुपए का केंचुआ बेच चुके हैं। हम लोग सामुदायिक बाड़ी भी चलाते हैं इसके माध्यम से हमने दो लाख रुपए कमा लिये हैं। नर्सरी के माध्यम से हमने 60 हजार रुपए कमाये हैं। मछलीपालन के माध्यम से हम 60 हजार और मुर्गीपालन के माध्यम से हमने 75 हजार रुपए की आय हासिल की है। मुख्यमंत्री ने नीलिमा को बधाई देते हुए कहा कि ऐसा ही काम सभी गाँवों में होना चाहिए। ऐसे ही कृष्णा देवांगन ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्होंने तीन लाख रुपए का गोबर बेचा है और इस पैसे से मक्का मशीन खरीदी है। मुख्यमंत्री ने अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी भी ली। लोगों ने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ हमें मिल रहा है। भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान काष्ठ शिल्प समिति कोकापाल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को काष्ठ पर उकेरे गोधन न्याय योजना की कृति भी भेंट की। दृष्टिबाधित छात्रा को स्मार्ट फोन एवं अन्य उपकरण खरीदने दिये डेढ़ लाख रुपए- भेंट मुलाकात के दौरान एक दृष्टिबाधित छात्रा भानुप्रिया आचार्य ने कहा कि मैं पढ़ना चाहती हूँ।

नौतपा की शुरुआत में ही आंधी-पानी

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में तेज हवाओं के साथ उड़ी धूल

रायपुर। भीषण गर्मी के लिए प्रसिद्ध नौतपा की शुरुआत ही आंधी-पानी से हुई है। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में गुरुवार को अंधड़ उठा है। वहीं पेण्ड्रा रोड में तेज बरसात रिकॉर्ड की गई है। दोपहर बार रायपुर में भी हल्की बरसात शुरू हुई है। नौतपा की शुरुआत बुधवार को हुई। पहले दिन ही कोण्डागांव, मनोरा, भैयाथान, कुनकुरी, जशपुर, तपकरा, दुलदुला, उदयपुर, रामानुजनगर, ओड़गी, लखनपुर और बस्तर क्षेत्रों में एक से चार मिलीमीटर तक बरसात दर्ज हुई।

गुरुवार को अमरकंटक, पेण्ड्रा-मरवाही क्षेत्र में तेज हवाओं के साथ मौसम बदला। धूल भरी

हवाओं का वेग इतना तेज था कि कई जगह पेड़ टूट गए। बिजली के खंभों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। क्षेत्र में बिजली चली गई। थोड़ी देर बाद पूरे इलाके में तेज बरसात शुरू हो गई। बरसात इतनी तेज थी कि सड़कों पर नाला बह निकला। बिलासपुर क्षेत्र में भी धूल भरी आंधियां चलीं। इसकी वजह से राह चलते लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जशपुर, मुंगेली, जांजगीर-चांपा में भी अंधड़ की खबर है। रायपुर में सुबह से ही बादल छाए थे। दोपहर बाद ठंडी हवाओं के साथ बरसात शुरू हो गई। इसकी वजह से राजधानी का मौसम सुहावना हो गया है। अलग-अलग क्षेत्रों में बादलों की गरज-चमक के साथ बुंदाबादी अब भी जारी है।

मौसम विभाग ने बताया है, ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा दक्षिण ओडिशा और उसके आसपास स्थित है। एक द्रोणिका बिहार से उत्तर आन्ध्र प्रदेश तक स्थित है। इसकी वजह से 26 मई को प्रदेश के एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में एक-दो स्थानों पर गरज चमक के साथ अंधड भी चलने की संभावना जताई गई है।

फैसला..

नगरीय निकाय की संपत्तियों को लेकर बड़ा फैसला

निगम, पालिका और नपं की संपत्तियों की बिक्री व बेस प्राइज अब कलेक्टर तय करेंगे

रायपुर। राज्य सरकार ने नगरीय निकाय की संपत्तियों को लेकर बड़ा फैसला किया है। इसके तहत अब नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में अचल संपत्तियों की बिक्री करने के अधिकार मंत्रालय से लेकर कलेक्टरों को सौंप दिया गया है। नए आदेश के मुताबिक नगर निगमों में 10 करोड़, नगरपालिकाओं में 4 करोड़ और नगर पंचायतों में डेढ़ करोड़ तक की संपत्तियों का फैसला कलेक्टर कर सकेंगे। इसके लिए जिला कार्यालय में एक नोडल अफसर

भी नियुक्त किया जाएगा जो नस्तियों का परीक्षण कर अनुमोदन के लिए कलेक्टर को पेश करेगा। नए निर्णय से राजधानी रायपुर समेत कई छोटे - बड़े नगरों से बिक्री के इंतजार में पड़ी दुकानों की नीलामी हो सकेगी। इससे निकायों को अच्छी आय बढ़ने की उम्मीद है। खास बात यह है कि इस तरह का अधिकार शासन ने पहली बार रायपुर कलेक्टर को गोल बाजार के संबंध में दिया था। लेकिन अब इसे पूरे प्रदेश में लागू कर दिया गया है। प्रदेश में अब तक नगरीय निकाय अपनी प्रापर्टियों पर दुकानें आदि बनाकर इसे बेचने के लिए बेस प्राइस तय करते थे। जैसे किसी दुकान की कीमत 30 लाख तय की गई। खरीदने के इच्छुक लोग बंद लिफाफों में कोई 30 लाख, कोई 30 लाख एक रुपए या 30 लाख दस हजार या 35 लाख रुपए भरकर जमा करते थे। फिर इसका टेंडर खोलने राज्य शासन को यानी मंत्रालय भेजा जाता था। लेकिन ज्यादातर मामलों में अफसर रूचि ही नहीं लेते थे। बेस प्राइज से अधिक कीमतें देखकर वे कुछ भी आपत्तियां लगाकर बिक्री रोक देते थे। राजधानी में ही सुभाष स्टेडियम, अश्विनी नगर, डंगनियां समेत कई स्थानों पर दुकानों की बिक्री रूकी पड़ी है। इनमें निगम के करोड़ों रुपए निर्माण में तो फंस गए, लेकिन बिक्री न होने से पैसे वापस खजाने में नहीं आ सके। राज्य शासन ने कलेक्टर की व्यस्तता को देखते हुए इसका विकल्प भी निकाला है और एक नोडल अधिकारी बनाने का आदेश दिया गया है।

लर्निंग सेंटर में बच्चे ने दिखाए अपने खिलौने, मासूमियत से कहा-कूद कर आप दिखाओ, मुख्यमंत्री ने भी आजमाया हाथ

रायपुर। कोरोना काल में जब स्कूल बंद रहने पर बच्चों की सीखने की प्रक्रिया बाधित न हो, इसके लिए कलेक्टर के निर्देश पर गांव के युवकों-युवतियों ने दुबागुड़ा में सीख केंद्र अर्थात लर्निंग सेंटर खोल लिया। इस लर्निंग सेंटर में 32 बच्चों को खेलकूद के साथ ही पढ़ाई भी कराई। बच्चों का इतना समग्र विकास हुआ कि आज यहीं के एक बच्चे जीवनदास ने मुख्यमंत्री को अपना लर्निंग सेंटर दिखाया। बच्चे ने अपना गिल्ली डंडा दिखाया, फिर भौंरे का कौशल दिखाया। फिर आखरी में मासूमियत से कहा कि मुझे

रस्सीकूद अच्छा लगता है। आप भी कूद कर दिखाओ। मुख्यमंत्री ने बच्चे के आग्रह को मानते हुए रस्सी कूद कर दिखाया। फिर भौंरा भी चलाकर दिखाया। गिल्ली डंडा भी खेला। इससे सारे बच्चे बहुत खुश हो गये। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बच्चा बहुत प्रतिभाशाली है। आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में इसका एडमिशन कराइये। गांव के युवाओं ने बताया कि शिक्षा के साथ ही खेल की गतिविधि भी कराने से बच्चों में तेजी से विकास हुआ है। वे लर्निंग सेंटर में खुशी से आते हैं। हम उन्हें थोड़ा सा खेल कराते हैं।

भारत निर्माण में अभूतपूर्व योगदान है पंडित नेहरू का!

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी सुख सुविधाओं को त्याग कर आजादी के आंदोलन में भाग लिया था। वे अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी के कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ लड़े थे। चाहे असहयोग आंदोलन की बात हो या फिर नमक सत्याग्रह या फिर 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन हो ,उन्होंने गांधी जी के हर आंदोलन में बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

पंडित जवाहरलाल नेहरू की विश्व के बारे में जानकारी से गांधी जी काफ़ी प्रभावित होते थे और इसीलिए आज़ादी के बाद वह उन्हें प्रधानमंत्री पद पर देखना चाहते थे।महात्मा गांधी के ही प्रयास से वे देश के प्रथम प्रधानमंत्री बन पाए। सन् 1920 में उन्होंने उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ ज़िले में पहले किसान मार्च का आयोजन किया था। सन 1923 में पंडित नेहरु अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के महासचिव चुने गए।सन 1952 में देश मे पहले आमचुनाव हुए ,जिसमें कांग्रेस पार्टी भारी बहुमत से सत्ता में आई और पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत के पहले प्रधानमंत्री चुने गए। इससे पहले वह सन1947 में आज़ादी मिलने के बाद से अंतरिम प्रधानमंत्री थे। संसद की 497 सीटों के साथ-साथ राज्यों की विधानसभाओं के लिए भी चुनाव हुए थे। लेकिन जहाँ संसद में कांग्रेस पार्टी को पूर्ण बहुमत हासिल हुआ ,वहीं कुछ राज्यों में कांग्रेस को दूसरे दलों से ज़बर्दस्त टक्कर मिली थी। कांग्रेस पार्टी बहुमत हासिल करने में चेन्नई, हैदराबाद और त्रावणकोर जैसे शहरों में विफल रही थी, उसे कम्युनिस्ट पार्टी ने कड़ी टक्कर दी थी। हालाँकि इन चुनावों में हिन्दू महासभा और अलगाववादी सिक्ख अकाली पार्टी को मुँह की खानी पड़ी थी। पहले चुनाव के बाद से ही कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) ने दक्षिणी राज्यों में जनसमर्थन बढ़ाना शुरू कर दिया था, जिसके नतीजे सन 1957 में हुए चुनाव में उसे मिले। त्रावणकोर-कोचिन और मालाबार को मिला कर बने केरल में कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता में आई।सन

नेहरू पुण्यतिथि पर विशेष

1929 में जब लाहौर अधिवेशन में गांधी ने नेहरू को अध्यक्ष पद के लिए चुना था, तब से 35 वर्षों तक यानि सन 1964 तक प्रधानमंत्री के पद पर रहते हुए पंडित नेहरू ने देश में विकास पटरी बिछाई थी , सन1962 में चीन से हारने के बावजूद, नेहरू अपने देशवासियों के आदर्श बने रहे। राजनीति के प्रति उनका धर्मनिरपेक्ष रवैया गांधी के धार्मिक और पारंपरिक दृष्टिकोण से भिन्न था। गांधी जी वस्तुतः सामाजिक उदारवादी थे, जो देश को धर्मनिरपेक्ष बनाने की चेष्टा कर रहे थे। नेहरु लगातार आधुनिक संदर्भ में बात करते थे। वहीं गांधी प्राचीन भारत के गौरव पर बल देते थे।देश के इतिहास में एक ऐसा अवसर भी आया था, जब महात्मा गांधी को स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पद के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल और जवाहरलाल नेहरू में से किसी एक का चयन करना था। लौह पुरुष के सख्त तेवर के सामने नेहरू का विनम्र राष्ट्रीय दृष्टिकोण भारी पड़ा और वह न सिर्फ़ इस पद पर चुने गए, बल्कि उन्हें सबसे लंबे समय तक विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की बागडोर संभालने का गौरव हासिल भी हुआ।

पंडित जवाहरलाल नेहरू एक महान् राजनीतिज्ञ , प्रभावशाली वक्ता ही नहीं, प्रसिद्ध लेखक भी रहे। उनकी आत्मकथा सन 1936 ई. में प्रकाशित हुई थी। उनकी अन्य पुस्तकों में भारत एक खोज, भारत और विश्व, सोवियत रूस, विश्व इतिहास की एक झलक, भारत की एकता और स्वतंत्रता और उसके बाद उल्लेखनीय हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश में औद्योगीकरण को महत्व बहुत महत्व दिया। भारी उद्योगों की स्थापना को उन्होंने प्रोत्साहन दिया। विज्ञान के विकास के लिए सन1947 ई. में नेहरू ने भारतीय विज्ञान कांग्रेस की स्थापना की। भारत के विभिन्न भागों में स्थापित वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के अनेक केंद्र इस क्षेत्र में उनकी दूरदर्शिता के स्पष्ट प्रतीक हैं। खेलों में नेहरू की खास रुचि थी। उन्होंने खेलों को मनुष्य के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए आवश्यक बताया था। एक देश का दूसरे देश से मधुर सम्बन्ध क़ायम करने के लिए सन 1951 ई. में उन्होंने दिल्ली में प्रथम एशियाई खेलों का आयोजन कराया था। नेहरू ने भारत में लोकतांत्रिक समाजवाद की स्थापना का लक्ष्य रखा था। उन्होंने आर्थिक योजना की आवश्यकता पर भी बल दिया। वे सन 1938 ई. में कांग्रेस द्वारा नियोजित राष्ट्रीय योजना समिति के अध्यक्ष भी बने। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् वे राष्ट्रीय योजना आयोग के प्रधान बने। नेहरू के व्यक्तिगत प्रयास से ही भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित किया गया था।जवाहरलाल नेहरू ने निर्गुटता एवं पंचशील जैसे सिद्धान्तों का पालन कर विश्व बन्धुत्व एवं विश्वशांति को प्रोत्साहन दिया। उन्होंने पूंजीवाद, साम्राज्यवाद, जातिवाद एवं उपनिवेशवाद के ख़िलाफ़ जीवनपर्यन्त संघर्ष किया। अपने क़ैदी जीवन में जवाहरलाल नेहरू ने डिस्कवरी ऑफ़ इण्डिया, ग्लिम्पसेज ऑफ़ वर्ल्ड हिस्ट्री एवं मेरी कहानी नामक पुस्तकों की रचना कर स्वयं को एक लेखक के रूप में भी सिद्ध किया।उनको बच्चे बहुत प्रिय रहे,बच्चे भी उन्हें चाचा नेहरू के रूप में सम्मान देते थे।तभी तो उनका जन्मदिन बालदिवस के रूप में मनाया जाता है।

डॉ श्रीगोपाल नारसन

संपादकीय

भारत का ऑटो मोड सफर!

यों भारत हमेशा भाग्य भरोसे रहा है। हिंदुओं का इतिहास है कि वे कभी लंबी-सुरक्षित-अच्छे सफर की नियति लिए हुए नहीं रहे। बार-बार खंड-विखंड और पानीपत की लड़ाइयों से कुचले जाते रहे। मंजिल नहीं मिली। सन् 1947 से नया सफर शुरू हुआ। वह सब बनाया जो एक राष्ट्र के लिए जरूरी होता है। मगर पहले दिन से हिंदुओं के मन में टीस रही कि वे जो चाहते थे, वह नहीं मिला। इतिहास का बदला पूरा नहीं हुआ। इसलिए सन् 2014 में नरेंद्र मोदी की तख्तपोशी हिंदू मन का संतोष था कि अब दिन बदलेंगे। हिंदू वह सब कर सकेगा जो नहीं होता आया है। अच्छे दिए आएंगे। भारत का नया सफर, नई उड़ान। और तब से अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बतौर पायलट हिंदुओं को सफर का जो अनुभव कराते हुए हैं और मोदी, संघ परिवार और भक्तों को सत्ता, फ्री के राशन-पानी, और न्यू इंडिया बनाते हुए है उससे चुनाव की विजय गाथाएं बनते हुए है तो हिंदुओं का वह ऑटोमेटिक व्यवहार बना है कि वे जो चाहें, जो करें, जो खोजें उसकी तुरंत प्राप्ति। खोए हुए बाबा मिल गए। खोई हुई श्वेत आर्थिकी मिल गई। खोई हुई आत्मनिर्भरता मिल गई। मुसलमान के आगे दबा-झुका सिर खड़ा हो गया। हिंदुओं की विलुप्त विश्व गुरूता, उसका विश्व नेतृत्व बहाल हो गया। हिंदुओं का ज्ञान-विज्ञान, दया-करूणा, मानवता-शौर्य का दुनिया में झंडा! इस बात का अर्थ नहीं है कि दुनिया क्या सोचती है, और 140 करोड़ लोगों का जीवन क्या है? असल बात नया सफर, नए तरह का सफर। हिंदुओं का मनमर्जी का सफर।

कुरुक्षेत्र: निर्दलीय सिब्बल हो सकते हैं विपक्ष के साझा राष्ट्रपति उम्मीदवार!

कांग्रेस में लंबे समय तक शीर्ष स्तर पर रहे और यूपीए सरकार में कई महत्वपूर्ण मंत्रालय संभालने वाले कपिल सिब्बल ने सियासत में नई राह चुन ली है। सिब्बल का यह कदम भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए मुश्किल पैदा कर सकता है और उनके इस कदम से राजनीति में न सिर्फ एक निष्पक्ष और दलगत राजनीति से ऊपर उठने वाली आवाज का रास्ता बनेगा, बल्कि अगले लोकसभा चुनावों के लिए बनने वाले विपक्षी मोर्चे को एक बड़ा चेहरा भी मिल गया है।

एक ऐसा चेहरा जो तमाम गैर भाजपा दलों और उनके क्षत्रपों को एक विपक्षी माला में पिरो कर एक तरफ कांग्रेस को उसका समर्थन करने को विवश कर सकता है, तो दूसरी तरफ भाजपा के लिए नई चुनौती भी खड़ी कर सकता है। इसकी शुरुआत अगले महीने से शुरू होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से भी हो सकती है, जिसमें समाजवादी पार्टी के समर्थन से राज्यसभा में निर्दलीय पहुंचने वाले कपिल सिब्बल की एक अहम भूमिका हो सकती है। सिब्बल विपक्ष की तरफ से साझा उम्मीदवार भी हो सकते हैं या किसी नाम पर साझा सहमति भी बनवाने का काम कर सकते हैं।

कांग्रेस छोड़कर समाजवादी पार्टी के समर्थन से राज्यसभा में कपिल सिब्बल की वापसी से कांग्रेस के भीतर जी-23 की मुहिम ही ध्वस्त हो गई है। सिब्बल की इस चाल से कांग्रेस के भीतर सोनिया गांधी परिवार की पार्टी पर पकड़

कपिल सिब्बल की सर्व स्वीकार्यता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। इसलिए एक राय बन रही है कि उन्हें राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष का साझा उम्मीदवार बना दिया जाए। इसके लिए तमाम गैर-भाजपा क्षत्रप नेताओं से बातचीत शुरू हो चुकी है। समाजवादी पार्टी में शामिल होने की बजाय उसके समर्थन से राज्यसभा में कपिल के जाने के पीछे यही रणनीति है...

और मजबूत हो गई है। अब कांग्रेस के भीतर नेतृत्व को चुनौती देने वाला कोई समूह नहीं बचा है। क्योंकि जहां इस मुहिम के अगुआ कपिल सिब्बल पार्टी से अलग होकर सपा के खेमे में चले गए हैं, वहीं दूसरे अगुआ गुलाम नबी आजाद, आनंद शर्मा, मनीष तिवारी, शशि थरूर, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, मुकुल वासनिक, मनीष तिवारी ने नेतृत्व के दबदबे को मंजूर करते हुए पार्टी के कामकाज में अपनी भूमिकाएं स्वीकार कर ली हैं। ये सब न सिर्फ उदयपुर नवसंकल्प चिंतन शिविर में पूरी सक्रियता से शामिल हुए बल्कि अब कुछ को अहम समितियों और समूहों में जगह भी मिल गई है। सपा के समर्थन से कपिल के राज्यसभा जाने और बाकियों के नेतृत्व के सामने झुकने से जी-23 की मुहिम को लेकर शुरू में ही की गई एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता की टिप्पणी कि यह मुहिम सिर्फ ध्यानार्कषण प्रस्ताव है, सही साबित हो गई है। सवाल है कि अब कपिल सिब्बल की नई पारी से आगे क्या-क्या हो सकता है। दरअसल सिब्बल अब तक कांग्रेस के टिकट पर ही लोकसभा और राज्यसभा में रहे हैं और वह पार्टी अनुशासन से बंधे रहे। इसलिए कई बार अपने मन की बात न तो सदन में और न ही सदन के बाहर कह सके। पिछले कुछ महीनों से उनके तेवर कांग्रेस नेतृत्व को लेकर काफी तीखे थे। उनका भाजपा विरोध और धर्मनिरपेक्षता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता जगजाहिर है, इसलिए उन पर भाजपा या मोदी सरकार के हाथों खेलने का आरोप नहीं लग सका। एक जमाने में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के बेहद भरोसेमंद रहने वाले कपिल सिब्बल तमाम कानूनी विवादों में परिवार और पार्टी दोनों के संकटमोचक रहे हैं। इसी तरह कपिल लगभग सभी गैर भाजपा दलों के क्षत्रप नेताओं के कानूनी मामले भी देखते रहे हैं।

वह ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी, लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अनिल देशमुख, नवाब मलिक, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आदि के वकील भी रहे हैं। उनके रिश्ते नवीन पटनायक, जगन मोहन रेड्डी और चंद्रशेखर राव से भी अच्छे हैं। एनसीपी नेता शरद पवार भी कपिल सिब्बल को खास मानते हैं।

विनोद अग्निहोत्री

मिला जुला

चार मांग पत्रों में कलेक्टर कार्यवाही की प्रतीक्षा

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

सप्ताह की चार प्रमुख खबरों के केंद्र में कलेक्टर नीलेश कुमार क्षीरसागर को सौपें गए मांगपत्रों में 15 वे वित्त की राशी के अनियमिक भुगतान, विकास कार्यो का बकाया भुगतान, एक अदद सड़क निर्माण और प्रमाण पत्र प्रदाय करने के एवज में हेड मास्टर द्वारा रिश्वत मांगे जाने की शिकायत पर जांच और कार्यवाही की मांग की गयी है। कलेक्टर क्षीरसागर क्या कदम उठा रहे है। यह जानना अभी बाकी है। सीईओ के खिलाफ जनपद सदस्य ने की कलेक्टर से शिकायत ग्राम पंचायतो के माध्यम से खर्च की जाने वाली 15 वे वित्त मद के 39 लाख रुपयो में खुद जनपद पंचायत के जिम्मेदार लोगो ने सेंधमारी करए सीधे राधे इंटरप्राइज़ेस को भुगतान बता दिया है। जनपद सदस्यों में इसे लेकर तीव्र रोष व्याप्त है। कृषि सभापति दिग्विजय साहू ने कलेक्टर नीलेश क्षीरसागर को शिकायती पत्र प्रस्तुत कर जांच और कार्यवाही की मांग की है।

छः पुत्रियों सहित पिता अनशन पर, बकाया पैसो के भुगतान की मांग

जिला मुख्यालय से सटे ग्राम पंचायत सोरिद के, पूर्व सरपंच ईश्वर प्रसाद ध्रुव अपने कार्यकाल में करवाए गए। विकास कार्यो की बकाया राशी के भुगतान की मांग को लेकर, अपनी आधा दर्जन

बेटियों के साथ भूख हड़ताल पर बैठे है। पूर्व सरपंच को कार्यकाल पूरा होने के बाद भी जनपद पंचायत से 3 लाख 48 हजार रुपये का भुगतान अप्राप्त था। बकाया भुगतान के लिए पूर्व सरपंच लम्बे समय तक भाग दौड़ करता रहाए लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। आखिर उसने थक हार कर अपने बूढ़े मां बाप और 10 बेटियों के साथ भूख हड़ताल करने की ठान ली। आगे की प्रतिक्रियाओ में सामूहिक बैठक, आश्वाशन, समझौता और जांच की प्रक्रिय सम्पादित होने के साथ पूर्व सरपंच को केवल 1 लाख 45 हजार रुपये मात्र का भुगतान मिला है। बकाया राशी का भुगतान पाने व अपनी आधा दर्जन बेटियों के साथ आन्दोलन कर रहा है। उसने कलेक्टर नीलेश क्षीरसागर को सौपे ज्ञापन में स्पष्ट कर दिया है कि उसकी एक बेटी की शादी होनी है अतः उसे शेष बकाया भुगतान दिलाया जाये।

बिना सड़क के ग्राम बेलर में सड़क की मांग

आज पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। सात दशक के कालखंड में हुए विकास की बात की जा रही है और जिले में ग्राम बेलर ख्वागबाहरा, के बेबस ग्रामीण मात्र चन्द फर्लांग तक सड़क की सुविधा से आज तक वंचित है। गावं में एम्बुलेंस तक का पहुच पाना संभव नहीं है द्य बीमार लोगो को तथा प्रसव के लिए महिलाओं को खाट में उठाकर नजदीकी ग्राम मोंहदी तक लाना पड़ता है। बीते मंगलवार को बड़ी संख्या में बेलर गांव की महिलाओ ने महासमुंद पहुंच कर जन चौपाल में कलेक्टर नीलेश क्षीरसागर से सड़क के लिए गुहार लगाई है।

फंस गया एक बेचारा फिर रहा मारा-मारा

ग्राम पंचायत बरेकेल पिथौरा, में युवाओ को वृद्धावस्था पेंशन भुगतान किये जाने की शिकायत करने वाले ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच पुरुषोत्तम लाल ध्रुव को खुद अपने कार्यकाल में बनवाए गए शाला भवन के लिएए अतिरिक्त कक्ष का बकाया भुगतान पाने के लिए सरकारी दफ्तरों का चक्कर काटते 12 साल गुजर गए है और अब कार्य पूर्णता तथा भवन हस्तांतरण प्रमाण पत्र देने के लिए स्कूल का हेडमास्टर अंतर्यामी प्रधान भी रिश्वत की मांग कर रहा है। जिला कलेक्टर नीलेश कुमार क्षीरसागर को उचित कार्यवाही के लिए मांगपत्र प्रस्तुत करने के बाद पूर्व सरपंच पुरुषोत्तम लाल ध्रुव की यह आशा बलवती हुई है किए नतीजा अवश्य निकलेगा।

संसदीय सचिव, विधायक, क्रेडा चेयरमैन एवं जिलाध्यक्ष सहित कांग्रेस नेताओं ने झीरम पहुंच दी शहीदों को श्रद्धांजलि

जगदलपुर । विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन, विधायक चित्रकोट राजमन बेंजाम, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय उर्जा विकास अभिकरण के अध्यक्ष मिथिलेश स्वर्णकार,शहर जिलाध्यक्ष राजीव शर्मा सहित कांग्रेस नेताओं ने शहीदी दिवस के अवसर पर शहीद स्थल झीरम घाटी पहुंच वरिष्ठ नेता स्व महेंद्र कर्मा,स्व नंदकुमार पटेल,स्व विद्याचरण शुक्ल,स्व उदय मुदलियार,स्व दिनेश पटेल समेत शहीद कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं एवं पुलिस के जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की

इस अवसर पर विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने शहीद नेताओं, कार्यकर्त्ताओं एवं पुलिस के जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार द्वारा झीरम के शहीदों का वास्तविक सम्मान नहीं हुआ था आज जब संवेदनशीलता मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा झीरम घाटी एवं जगदलपुर में झीरम शहीद मेमोरियल का अनावरण किया जाएगा तब शहीदों का वास्तविक सम्मान होगा विधायक चित्रकोट राजमन बेंजाम ने कहा की भाजपा शासनकाल में शहीदों की शहादत का सम्मान नहीं हो पाया था आज हमारे अमर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है जब उनकी याद में स्मारक का अनावरण किया जाएगा छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय उर्जा विकास अभिकरण के अध्यक्ष मिथिलेश स्वर्णकार ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा की झीरम घाटी के शहीद नेताओं, कार्यकर्त्ताओं एवं जवानों को तब तक सच्ची श्रद्धांजलि नहीं मिल पाएगी जब तक आजाद भारत के इस सबसे बड़े नर संहार के दोषियों को उनके अंजाम तक नहीं पहुंचा दिया जाता है।

तेंदूपत्ता संग्रहण से 55 हजार संग्राहक परिवार के घर होगी 31 करोड़ 39 लाख रूपए की धनलक्ष्मी वर्षा

* बीते वर्ष की तुलना में इस बार बम्पर तेंदूपत्ता संग्रहण

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

वनोपज संग्रहण में जुटे कोरिया जिले के 55 हजार से ज्यादा संग्राहक परिवारों के घर इस बार धन लक्ष्मी की वर्षा होगी। वनोपज से जुड़े जिले के 55 हजार से ज्यादा परिवार तेन्दूपत्ता की तोड़ाई काम में जुट गए है। पूरे प्रदेश में हरे सोने यानी तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य जारी है। राज्य में तेंदूपत्ता सीजन 2022 के अंतर्गत अब तक 11 लाख 44 हजार 641 संग्राहकों द्वारा 15 लाख 49 हजार 943 मानक बोरा संग्रहण किया गया है। जिले के वनमण्डल बैकुंठपुर के 17 प्राथमिक वनोपज समितियों के द्वारा लक्ष्य से अधिक कुल 100.46 प्रतिशत का संग्रहण किया गया है। जिसमें 33 हजार 400 के लक्ष्य के विरुद्ध संग्राहकों

द्वारा 13 करोड़ 42 लाख 13 हजार 100 रुपए के 33 हजार 553 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हुआ है। इसी तरह वनमण्डल मनेंद्रगढ़ में 15 प्राथमिक वनोपज समितियों के द्वारा अब तक 30 हजार 504 संग्राहकों द्वारा 17.97 करोड़ रूपए के 44 हजार 931 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहित किया गया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा राज्य के तेन्दूपत्ता संग्राहकों के आमदानी को बढ़ाने और उन्हे आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए 25 सौ रूपए प्रतिमानक बोरा से बढ़ाकर 4 हजार रूपए प्रति मानक बोरा दर निर्धारित किया है।

बीते वर्ष की तुलना में इस बार बम्पर संग्रहण

वनमंडल बैकुंठपुर के अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्रहण वर्ष 2022 में संग्रहण लक्ष्य 33400 मानक बोरा निर्धारित किया गया है। जिसके विरुद्ध अब तक 33553 मानक बोरा कुल संग्रहित किया गया है। जिसकी एवज में 13.42 करोड़ भुगतान किया जाना है। जबकि बीते साल 20996 मानक बोरा संग्रहण किया गया जिसके एवज में 8०39 करोड़ रुपए संग्राहकों को भुगतान किया गया है। इसी तरह वनमण्डल मनेंद्रगढ़ में 15 प्राथमिक वनोपज समितियों के द्वारा अब तक 30 हजार 504 संग्राहकों द्वारा 17.97 करोड़ रूपए के 44 हजार 931 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहित किया गया है।जबकि मनेन्द्रगढ़ में बीते वर्ष 32003 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण किया गया जिसके एवज में 12०80 करोड़ रुपये संग्राहकों को भुगतान किया गया है।

माहवारी स्वच्छता एवं प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग एवं छत्तीसगढ़ वी द पीपल फाउंडेसन के सहयोग से माहवारी स्वच्छता एवं प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, मितानिन कार्यक्रम, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, विप्स कार्यक्रम, एवं अन्य समन्वय विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी की उपस्थिति में माहवारी स्वच्छता विषय मे व्यवहार परिवर्तन एवं भ्रांतियों को कम करने संचार आदान प्रदान कर कार्यशाला सम्पन्न किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि शीतल हरीश कवासी द्वारा किया गया। सिविल सर्जन सुकमा एवं मुख्य

चिकित्सा अधिकारी के द्वारा माहवारी स्वच्छता की आवश्यकता, प्रबंधन एवं व्याप्त भ्रांतियों को कम करने समुदाय स्तर पर जागरूकता लाने अपील किया गया। छत्तीसगढ़ वी द पीपल फ उंडेसन के जिला समन्वयक राजेश बघेल द्वारा संचार एवं आपसी संवाद के माध्यम से माहवारी स्वच्छता एवं प्रबंधन के विषय मे विस्तृत जानकारी देते हुए सेनेटरी नेपकिन पेड़ या उपलब्ध सूती कपड़ों का उपयोग करने समुदाय में गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता लाने अपील किया गया। मुख्य अथिति शीतल कवासी ने माहवारी स्वच्छता को एक गंभीर विषय बताते हुए कहा कि माहवारी के दौरान स्वच्छता का ध्यान रखकर के कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने ग्रामीण आदिवासी एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्र में निःशुल्क सेनेटरी पेड़ वितरण और समुदाय को जागरूक करने की अपील करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के पश्चात निश्चित रूप से क्षेत्र में माहवारी स्वच्छता में व्यवहार परिवर्तन देखने को मिलेगा। कार्यक्रम में चंद्रभान सिंह बंसोड़ सीएमएचओ, यशवंत कुमार ध्रुव सिविल सर्जन, सुश्री बिस्मिता पाटीले डीपीओ महिला एवं बाल विकास विभाग, मलेरिया समन्वयक, सेक्टर पर्यवेक्षक, मितानिन ब्लॉक समन्वयक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, विप्स कार्यक्रम समन्वयक आदि उपस्थित रहे।

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्षता में बाल अधिकारों के संरक्षण हेतु समीक्षा बैठक सम्पन्न

बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए संरक्षण की दिशा में विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर करें कार्य- तेजकुंवर

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष तेजकुंवर नेताम की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बाल अधिकारों संरक्षण हेतु समीक्षा बैठक सह उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विधायक जशपुर विनय भगत, कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल, बाल विकास संरक्षण आयोग की सदस्यगण पुष्पा पाटले,आशा यादव, सोनल कुमार गुप्ता आगस्टिन बर्नार्ड, एवं बृजेन्द्र ठाकुर, जिला कार्यक्रम अधिकारी अरूण पांडेय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रंजीत टोप्पो, एसडीओपी जशपुर आरएस परिहार, सूरज चौरसिया सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

नेताम ने कहा कि उत्साह और उमंग से भरा बचपन प्रत्येक बच्चों का अधिकार है। उनका बचपन बेहद खुशनुमा और प्रेम भरा होना चाहिए। इस हेतु बच्चों के अधिकारों का संरक्षण जरूरी है। उन्होंने कहा कि बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए संरक्षण की दिशा में विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वयन करने की आवश्यकता है। इसके लिए उन्होंने अभिभावकों, प्रशासन समाज एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सामूहिक रूप से प्रयास करने की बात कही। जिससे बच्चों के विकास के लिए बेहतर कार्य किया जा सकता है। नेताम ने जिले में बाल संरक्षण के लिए किए जा रहे सार्थक प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विभागए जिला प्रशासन, स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों के साथ आपसी समन्वय से कार्य करते हुए योजनाओं का और बेहतर क्रियान्वयन करे जिससे जिले के बच्चों को लाभ मिल सके। विधायक भगत ने कहा कि बच्चे मासूम एवं उम्मीदों से भरे होते हैए इस हेतु बच्चों को विशेष ख्याल रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सतत रूप से कल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है जिसका लाभ उन्हें मिलना चाहिए। साथ ही उन्हें नशा के सेवन से बचाने के लिए विशेष ध्यान देने की बात कही साथ ही सतत निगरानी रखने के लिए विभाग प्रमुखो को कहा। कलेक्टर अग्रवाल ने कहा कि जीवन की नींव एक सुरक्षित व समृद्ध बचपन में छिपी होती है इसलिए भविष्य की मुख्य कड़ी बच्चों के हित में कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि महिला बाल विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, आदिम जाति, श्रम सहित अन्य विभागों में बच्चों को लाभ पहुंचाने के लिए कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि नशा के साथ ही बाल अपराध की शुरुआत होती है। इसलिए सभी सार्वजनिक स्थानों, पान ठेलों सहित मेडिकल स्टोर पर पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित जांच करने एवं निगरानी रखने के लिए निर्देशित किया। साथ ही कोटपा एक्ट के तहत कार्यवाही करने की बात कही। इस दौरान कलेक्टर ने बताया कि जिले में यूनिसेफ एवं जिला प्रशासन की सहयोग से बाल अधिकारों के संरक्षण, सुरक्षित प्रवास, बाल विवाह की रोकथाम सहित अन्य जन जागरूकता कार्य के लिए जय हो कार्यक्रम की शुरुआत किया गया है। जिनके द्वारा सभी विकासखंड पंचायतों में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जन जागरूकता का कार्य किया जा रहा है। बैठक में अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा जिले में बच्चों के लिए अनिवार्य तथा मुफ्त शिक्षा का अधिकार के बेहतर क्रियान्वयन, विद्यालय के मरम्मत योग्य एवं जर्जर भवनों के कार्य योजना पर चर्चाए विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए उपलब्ध शिक्षा के संसाधनों, बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए स्कूलों में खेलकूद की व्यवस्था तथा स्कूली बच्चों में कोविड संक्रमण से बचाव एवं टीकाकरण की विस्तारपूर्वक जानकारी ली गई। उन्होंने असमर्थ अथवा बिस्तर में रहने वाले दिव्यांग बच्चों के लिए घर पर शिक्षा हेतु शिक्षकों की व्यवस्था करने के लिए कहा। कलेक्टर ने शिक्षा एवं समाज कल्याण विभाग को जिले में ऐसे बच्चों की सर्वे कराकर सूची तैयार करने हेतु निर्देशित किया। इसी तरह जिले के चिकित्सालयों में शिशुओं के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी, पोषण पुनर्वास केन्द्र, टीकाकरण, राज्य शासन द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य के लिए चलायी जा रही योजनाओं, सामान्य टीकाकरण एवं कोविड संक्रमण से बच्चों के बचाव एवं वैक्सीनेशन की अद्यतन स्थिति के बारे में समीक्षा की गई। उन्होंने लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण और मुआवजा समय पर दिलाने, समय-समय पर बाल अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की बात कही। इसी तरह बच्चों से संबंधित आवासीय संस्थाओं जैसे बाल गृहए आश्रम, छात्रावास में उनके समुचित देखभाल, भोजन, सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सभी अधिकारियों को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए व्यक्तिगत रूचि लेकर कार्य करने की बात कही।

पावर प्लांट करणी कृपा के खिलाफ किसानों के धरने में पहुंचे किसान नेता तुसार

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

नेशलन हाईवे में स्थित गांव खैरझिटी, कौंवाझर, मालीडीह के कृषि भूमि, वन भूमि, गरीबों का काबिल कास्त भूमि, आदिवासी भूमि में गैर कानूनी ढंग से करणी कृपा स्टील एवं पावर प्लांट लगाने के विरोध में विगत 25 फ रवरी 2022 से किसानों द्वारा छत्तीसगढ़ संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले अखण्ड धरना सत्याग्रह चल रहा है। आज सत्याग्रह के 91 वें दिन का नेतृत्व किसान नेता अशवन्त तुषार साहू पहुंचे। आज के सत्याग्रह में लगभग 85 किसान, जवान और महिलाओं ने भाग लिया। किसान नेता अशवन्त तुषार साहू ने संबोधित किया और कहा कि चाहे रामायण काल हो चाहे महाभारत काल हो हमेशा सत्य की जीत होती है। क्योंकि परमात्मा हमेशा सत्य के पक्षधर होते हैं। इसलिए धरती महतारी की रक्षा और आम जनता के हित के लिए किसान धरना सत्याग्रह में 91 दिन से संघर्षरत है, इसमें किसानों की ही जीत होगी। आगे कहा कि करणी कृपा पावर प्लांट के प्रबंधकगण चारों ओर से कानूनी घेरे में फंस गये हैं। इसलिए बौखलाहट में अनर्गल बातें कर रहे हैं और शासन-प्रशासन के दरवाजों का चक्कर काट रहे हैं। हम प्रजातंत्रीय व्यवस्था के प्रथम नागरिक हैं। इसलिए हम हमेशा प्रजातंत्रीय ढंग से लड़ाई लड़ते हैं और जो लोग गैर कानूनी ढंग से उद्योग की स्थापना करने में जुटे हैं। हम उनके गलत इरादे को कभी पूरा नहीं होने देंगे। धरना स्थल पर तारेन यादव, मोहन यादव, उदय चंद्राकर, चैनुराम साहू, डेविड चंद्राकर् विश्वनाथ, डीगेशवरी चंद्राकर, होरीलाल पटेल, नंदलाल पटेल, नंदलाल सिन्हा, उदय चंद्राकर, रमेश विश्वकर्मा, बिसरू सिन्हा, रूपसिंग निषाद, दुर्गा राम पटेल, ओम प्रकाश साहू, मोहन लाल साहू, साधना ध्रुव, आनंद मानिकपुरी, जोगेश्वरी साहू, सुमन साहू, वेदराम यादव, लीलाधर पटेल, महेंद्र पटेल अत्यधिक संख्या में आसपास के ग्रामीणों व महिला शक्ति उपस्थित रहे।

पुसौर नरवा उपचार भू-जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण और 8 गांवों के लोगों को मिल रही सिंचाई की सुविधा

ब्रशवुड चेक, लूस बोल्डर चेकडैम, गेबियन स्ट्रक्चर, स्टॉप डैम, कंटूर ट्रेंच जैसे संरचनाओं के निर्माण से सिंचित क्षेत्र बढ़कर हुआ 1084.20 हेक्टेयर क्षेत्र

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी योजना के तहत नरवा उपचार से जिले में भूजल संरक्षण और सिंचाई सुविधाओं में विस्तार हुआ है। जो किसानों के लिए वरदान साबित हुए हैं। नरवा निर्माण के तहत जल आपूर्ति होने से जलविहीन क्षेत्रों में भी अन्नदाताओं के खेतों में अब फ सल लहलहाने लगी है। नरवा कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न नालों का जीर्णोद्धार कर नवीन रूप दिया जा रहा है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत वर्ष 2021-22 में नरवा विकास कार्यों के 12 करोड़ 56 लाख की लागत से 9 हजार 688 कार्य पूर्ण किए गए हैं। योजना के क्रियान्वयन से किसानों को राहत मिलने के साथ मनरेगा मजदूरों को रोजगार भी मिल रहा है। पुसौर नरवा उपचार से सिंचित क्षेत्रफ ल 1022 हेक्टेयर था। जो अब बढ़कर 1084.20 हेक्टेयर हुआ है। योजना के तहत जिले के विकासखण्ड खड़गवां में पुसौर नरवा की लंबाई 15.12 किमी है जिसका कैचमेंट एरिया 3089 हेक्टेयर है। नरवा उपचार से इस क्षेत्र में 08 गांवों के लोगों को सिंचाई का फायदा मिला है। पुसौर नरवा उपचार से ग्राम पंचायत दुबछोला, भूकभुकी, बरमपुर, मझौली, सैन्दा, पीपरबहरा, शिवपुर तथा छोटेकलुवा में जलस्तर में वृद्धि हुई है जिससे आजीविका के लिए खेती-किसानी पर निर्भर रहने वाले किसानों को सिंचाई का अच्छा साधन मिल रहा है। नरवा कार्य योजना के तहत भू जल संरक्षण के लिए ब्रशवुड चेक, लूस बोल्डर चेकडैम, गेबियन स्ट्रक्चर, स्टॉप डैम, कंटूर ट्रेंच जैसे संरचनाओं का निर्माण किया गया है। इससे कृषि कार्य मे सुविधा के साथ ही साथ मृदा का भी संरक्षण सम्भव हुआ है।

नेशनल जेजेएम टीम ने जल जीवन मिशन के कार्यों का किया निरीक्षण

नल-जल के कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से संपादित करने के दिए निर्देशित

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ नेशनल जल जीवन मिशन की टीम ने विगत दिवस 24 एवं 25 मई को जशपुर विकासखंड के सांईटांगरटोली, सिटोंगा, ईचकेला, कुनकुरी विकासखंड के लोधमा, फ रसाबहार विकासखंड के जोरण्डाझरिया और दुलदुला विकासखंड के नल.जल योजना का निरीक्षण किया। इस दौरान नेशनल जेजेएम के उप सलाहकार,मुरलीधरन, टीम लीडर राणा रमेश सिंह, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मुख्य अभियंता एचआर मर्शकोले, अधीक्षण अभियंता संजय सिंह एवं कार्यपालन अभियंता व्हीके उरमलिया

उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान नल-जल योजना में उपयोग होने वाले पाइप, पानी टंकी, घरेलू कार्यरत टैप कनेक्शन इत्यादि की गुणवत्ता को देखा गया। साथ ही जिले में कार्य कर रहे आईएस, एवं टीपीआई की टीम के कार्य की भी जायजा लिया गया।

नेशनल जेजेएम के टीम कार्यों नल.जल के कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से संपादित करने के निर्देशित दिए हैं। इस दौरान सहायक अभियंता कमल कवंर ने नेशनल टीम को जशपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत इचकेला के घोड़ाटोली सोलर आधारित नल-जल प्रदाय योजना के तकनीकी एवं डीपीआर संबंधी जानकारी दी। नेशनल टीम के द्वारा गांव में भ्रमण करके ग्राम जल स्वच्छता समिति एवं जल निगरानी समिति के सदस्यों से मुलाकात की और उनके द्वारा किये जा रहे योजना का क्रियान्वयन एवं संचालन के बारे में जानकारी लिया गया।

छत्तीसगढ़ अभिकर्ता एवं उपभोक्ता सेवा संघ ने ज्ञापन सौंपा

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

बस स्टैण्ड परिसर में छत्तीसगढ़ अभिकर्ता एवं उपभोक्ता सेवा संघ ने सैकडो की रसंख्या मे धरना के रूप मे प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौपा जिनकी प्रमुख मांग थी। यह किए सरकार विशेष कोष का गठन करे एवं निश्चित विद अवधि में निवेशकों चिटफंड कंपनी का पैसा वापसी करे।

निरंतर किए छग में कम्पनियों अचल सम्पत्ति कि नीलामी के समय निवेशकों व छग अभिकर्ता उपभोक्ता सेवा संघ के पदाधिकारी उपस्थिति अनिवार्य किया जाए। चुकी प्रशासन द्वारा कम्पनियों की करोड़ों की अचल संपत्ति को लाखों में बेचा जा रहा है। जिससे निवेशकों को पूरा पैसा नहीं मिल रहे हैं। जमीन नीलामी हेतु किसी भी प्रकार के व्यापक प्रचार-प्रसार प्रशासन द्वारा नहीं की जा रही है और बंद कमरे में गिने चुने लोगों का रिंग बनाकर कम से कम रास्ते में बंदरबांट किया जाए जिस पर तत्काल रोक लगाई जाए। प्रशासन द्वारा प्राथमिकता के आधार पर जिन निवेशकों को पैसा वापसी किया जा रहा है उसका मापदंड क्या है। प्राथमिकता का आधार, मापदंड एवं जिन निवेशकों को पैसा वापसी दिया गया है या गया है उसकी सूची संघ को अति शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। नीलामी प्रक्रिया में कंपनी के अचल संपत्ति खरीदने वाले क्रेता का नाम गोपनीय रखा जा रहा है जिससे घोटाले होने की आशंका बढ़ गई है अतः क्रेताओं के नाम पता व क्रय की गई राशि का विवरण संघ को उपलब्ध कराया जाए। छत्तीसगढ़ शासन निवेशकों का पैसा वापसी को लेकर गंभीर है जिसमें आज की वर्तमान समय में जमीन कुर्क कर निवेशकों का पैसा वापस किया जा रहा है इसमें कई साल लग रहा है अतः इस विषय को राजीव गांधी नई योजना के तहत योजना में शामिल कर गरीब निवेशकों का पैसा वापस करें। जिला सुकमा में जनपद कार्यालय एवं कलेक्टर कार्यालय द्वारा निवेशकों का आवेदन आमंत्रित किया गया था जिसमें कुल निवेशक 6077 कुल राशि 10,31,39,313 जिसमे आज तक एक गरीब निवेशकों को पैसा वापस नहीं किया गया। जिस पर जल्द से जल्द कार्रवाई कर गरीब निवेशकों का पैसा वापस किया जावे। जिसे उपस्थित थे गगन कुंभकार,नन्द कुमार निषाद,बेला तेलम,ईश्वर पटेल,वेट्टी देवाराम,राजेश मांझी, रामधर कश्यप अन्नु मण्डावी,ठड़गू राम यादव धनीराम यादव,उर्मिला मण्डावी,बालमती यादव।

हाथी प्रभावित सिरपुर क्षेत्र के किसानों को लहंगर में किसान विश्राम भवन की सौगात

बीज निगम अध्यक्ष अग्नि चंद्राकर ने किया भूमिपूजन

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

ग्राम लहंगर में बनने जा रहे किसान विश्राम भवन का भूमिपूजन एवं शिलान्यास छग राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त अग्नि चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। किसान विश्राम भवन के लिए बीज एवं कृषि विकास निगम द्वारा सीएसआर मद से 6.25 लाख की स्वीकृति दी गई है। समारोह की अध्यक्षता मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के सदस्य मोहित ध्रुव ने की तथा विशेष अतिथि आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सिरपुर के उपाध्यक्ष थनवार यादव, जनपद उपाध्यक्ष त्रिलोकी राधेश्याम ध्रुव, जिला पंचायत कृषि सभापति अमर अरुण चंद्राकर, जनपद सभापति रमाकांत धुव्र, किसान कांग्रेस के जिला महामंत्री राधेलाल सिन्हा सहित युवा नेता दिव्येश चंद्राकर, वरिष्ठ नेता अरुण

दर्जनभर से अधिक गांवों के किसान रहे मौजूद

चंद्राकर, रवि साहू, पार्षद विजय बांदे, पूर्व पार्षद शिव यादव, गौतम ध्रुव, दयाराम ध्रुव, मोहन सिन्हा, मनराखन ठाकुर, रूपसिंह नेताम, मन्नूराम यादव, भागीराम ध्रुव, किशन कोसरिया, जयसिंह ध्रुव, गजाधर धीवर और सोनूराज मंचस्थ थे। समारोह को संबोधित करते हुए निगम अध्यक्ष अग्नि चंद्राकर ने कहा कि भूपेश सरकार किसान हितैषी सरकार है और मेरा भी प्रयास है कि बीज निगम के माध्यम से किसानों को अधिक से अधिक लाभान्वित करूं। यह हाथी प्रभावित क्षेत्र हैए धान बेचने के लिए आने वाले किसानों को किसान विश्राम भवन बनने से काफी सुविधा होगी। चंद्राकर ने किसानों को निगम की योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। अपने विधायकी कार्यकाल में जनता की मूलभूत जरूरतों को पूरा करते हुए कराए गए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जनहित के कार्यों के लिए हमेशा तत्पर हैं। चंद्राकर ने दसवीं बोर्ड के टॉप टेन में सातवां स्थान प्राप्त करने पर ग्राम लहंगर के शुभम निषाद का सम्मान किया। समारोह में लहंगर सहित आसपास के 13 गांवों तथा बलौदाबाजार जिले से भी किसान पहुंचे थे। जिन्होंने चंद्राकर का बाजे-गाजे के साथ फ ूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुखजन बेदराम ध्रुव, सरपंच मीनाबाई देवदास एवं पंचगण, पोषण यादव, पंचराम ध्रुव, हेमकुमार निषाद, दौवाराम ध्रुव, मीनाबाई ध्रुव, हरि तालिका सिन्हा, रेवती बाई ध्रुव, प्रेमिन बाई ध्रुव सहित बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

एक नजर

सफलता की कहानी

मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना से अनुकंपा तिर्की को मिला 20 हजार की राशि

उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु करेंगे राशि का उपयोग

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा निरंतर विभिन्न शासकीय योजनाओं से प्रत्येक वर्ग के लोगों को लाभांवित किया जा रहा है। इसी कड़ी में जशपुर जिले में श्रम विभाग के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत् प्रोत्साहन राशि के रूप में पंजीकृत निर्माण श्रमिक की दो अविवाहित पुत्रियों को 20 हजार रुपए प्रदान किया जा रहा है। योजना से जशपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत जुरगूम निवासी महेश राम की पुत्री अनुकंपा तिर्की को 20 हजार रुपए प्रोत्साहन

स्वरूप प्रदान किया गया है। अनुकंपा तिर्की ने बताया कि उनके पिताजी राजमिस्त्री का कार्य करते है। जिससे परिवार का भरण पोषण होता है। इसके अलावा उनके परिवार के आय का अन्य कोई साधन नहीं है। अनुकंपा ने बताया कि वह इस वर्ष 12 कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण की है। उन्होंने कहा कि नोनी सशक्तिकरण योजना के तहत् उन्हें 20 हजार रुपए की राशि प्रदान की गई है। उक्त राशि का उपयोग वह अपने उच्च शिक्षा के लिए करेंगी। अनुकंपा कहती है कि यह योजना गरीब एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक बहुत ही कारगर योजना है। जिससे बेटियों को आगे बढ़ाने एवं उन्हें प्रोत्साहित करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वे उच्च शिक्षा के लिए चितिंत थी परंतु एक साथ 20 हजार की राशि मिल जाने से अब उन्हें उच्च शिक्षा लेने हेतु बहुत बड़ी सहायता मिली है। जिससे वे प्रोत्साहित भी हुई है। अनुकंपा के पिता महेश राम ने कहा कि उनकी पुत्री के शिक्षा के लिए वह भी चिंतित थे। राजमिस्त्री के कार्य से मिलने वाले राशि से उनके परिवार का खर्च ही हो पाता है। जिससे उन्हें अपने पुत्री को उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने में परेशानी होती। उन्होंने कहा कि नोनी सशक्तिकरण योजना के तहत् उनकी पुत्री को सहायता राशि मिला है। जिससे वह अपनी पुत्री के सपने को आगे बढ़ाने के लिए निश्चिंत हो गए है। महेश राम व उनकी पुत्री अनुकंपा ने उक्त योजना के लिए जिला प्रशासन एवं छत्तीसगढ़ शासन को धन्यवाद दिया।

राजस्व शिविर में कलेक्टर हुए शामिल

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

आम लोगों की छोटी-मोटी राजस्व विभाग से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए जिले में राजस्व शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। कलेक्टर विलास भोसकर संदीपान ने आज बेरला विकासखण्ड के ग्राम कुसमी में आयोजित राजस्व शिविर में शामिल हुए। कलेक्टर ने किसानों को किसान किताब ऋण पुस्तिका का वितरण किया। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि राजस्व विभाग द्वारा अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, फ ौती के प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें तत्पश्चात कलेक्टर ने बेरला के शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल पहुंचकर स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल के निर्माणाधीन कार्यों का मुआयना किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 15 जून 2022 तक निर्माण कार्य पूर्ण कर लेवें, ताकि नया शिक्षा सत्र से विधिवत कक्षा प्रारंभ की जा सके। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व संदीप ठाकुर, बीईओ बेरला भी उपस्थित थे।

मनरेगा पटरी पर आया पर मनरेगा कर्मियों के बिना फेल

जिले में साढ़े तीन करोड़ का भुगतान अटका

जोहार छत्तीसगढ़-देवभोग।

केन्द्र और राज्य सरकार की रोजगार मूलक रोजगार गारन्टी योजना आज मनरेगा कर्मीयो के बिना फेल हो गयी है। मनरेगा कर्मीयो के हड़ताल को 50 दिन से अधिक हो गये और इस हड़ताल के अवधि में गांव के जाबकार्डधारियों को सरकार के इस योजना का लाभ नहीं के बराबर मिल रहा है।

राज्य शासन के निर्देश के बाद भले ही जिला प्रशासन ने सक्ती के साथ मनरेगा को पटरी पर तो ला दिया पर मनरेगा कर्मीयो के बिना सरकार की योजना पटरी से फिर उतरती नजर आ रही है। देवभोग में बीते माहभर में मनरेगा के काम अढाई कोश चले थे कि नये पदभार वालो के आपरेट जनरेट ना कर पाने से योजना धरा का धरा रह गया है। सचिव सरपंच मस्टररोल को लेकर जनपद पंचायत का चक्कर काट रहे है मस्टररोल जमा भी कर लिया जा रहा है पर कभी तकनिकी समस्या और जानकरी के अभाव में भुगतान प्रक्रिया लटक रहा है।गाँव के मजदूर काम करना चाहते है जैसे-तैसे ग्राम पंचायत के सचिव मनरेगा अतिरिक्त प्रभार को भी सम्हाल रहे है पर भुगतान का जनरेट ना हो पाने से अब रूचि भी घटती जा रही है।

दो वर्ष में साढे तीन करोड़ का भुगतान शेष

जिला पंचायत की माने तो गरियाबंद जिला में चालू सत्र में 39 लाख 84 हजार रूपये मजदूरी का भुगतान नही हो सका है तो वही बीते 2021-22 के वित्तीय वर्ष का 3 करोड़ दो लाख का भुगतान अब तक धही हो सका है।

मनरेगा कर्मी को हड़ताल करते 52 दिन हो गये है हड़ताली कर्मचारी अपनी मांग मनवाने इन भले ही जिला प्रशासन ने हड़ताल अवधि में नये लोगों के जरिये लाख का भुगतान कराने में सफ्ल हो गया पर यह गांव के डेढ सौ दिन के मजदूरो के लिये ऊंट के मुंह में जीरा के बराबर है। गांव के काम करने वाले लोगों का मानना है मनरेगा कर्मी काम पर थे तो मजदूरी भुगतान तो हो जाता था पर अब वो भुगतान को लेकर परेशान है।

कब सुनेगी सरकार कब लौटेगें हड़ताली कर्मी

52 दिनों में कई विरोध प्रदर्शन किये फिर भी सरकार पर उसका कोई असर नही हुआ। उधर मनरेगा कर्मचारी के नही होने से काम भी ठप्प पड़ गया है और जहां थोड़ा काम भी चल रहा है तो उसका भुगतान नहीं हो रहा है। पता नहीं सरकार मनरेगा कर्मी की कब सुनेगी और कब हड़ताली कर्मी काम पर वापस लौटेंगे जिससे की मनरेगा फिर से काम और भुगतान में तेजी आ सकेगा।

जिला में तैतीस प्रतिशत मजदूर को ही काम मिल रहा

जिला रिपोर्ट कार्ड की माने तो गरियाबंद जिलेभर में अप्रैल, मई, जून माह में हर साल एक लाख मजदूरो को रोजगार मुहैया होता था पर हड़ताल के पखवाड़े भर तक काम पूर्ण बंद रहा जैसे तैसे पटरी पर लाया गया तो भी भुगतान में आई सुस्ती से जाबकार्ड धारियो में भी काम करने की रूचि घटती जा रही है। जिला में पिछले सत्र के एक लाख मजदूरों के बजाय इस वर्ष अबतक मात्र तैंतीस हजार मजदूर कार्य कर रहे है। इधर हड़ताल पर डटे कर्मचारी भी अपने मांग पर अड़े हैं पिछे हटने का नाम नहीं ले रहे है।

एक नजर

किशोरी के साथ दुष्कर्म एवं निर्मम हत्या के विरोध में सर्व धर्म के लोगों ने निकाली आक्रोश रैली

जोहार छत्तीसगढ़-सीतापुर।

सरगुजा जिले के मणिपुर पुलिस चौकी क्षेत्र में मैनपाट तराई क्षेत्र की नाबालिग किशोरी बेटी की बलात्कार के बाद सनसनीखेज हत्या का मामला इनदिनों तूल पकड़ते जा रहा है। वहीं मामलें में सरगुजा पुलिस ने शादीशुदा दंपत्ति यानी 2 आरोपी को गिरफ्तार कर उन्हे न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल अंबिकापुर भेज दिया है। वहीं इधर नाबालिग पीड़िता मृतिका के परिजन पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है और मामलें में पुलिस द्वारा लीपापोती कर खानापूर्ति की कार्रवाई करने की बात कर मामलें में दुबारा पोस्टमार्टम के साथ ही सीबीआई जांच की मांग कर रहें है, वहीं इसी कड़ी में आज सीतापुर और मैनपाट के सर्वधर्म के लोगों और संगठनों द्वारा सीतापुर के पेट्रोल टंकी से पुलिस थाना सीतापुर से लगें शहीद भगत सिंह चौक तक कैंडल मार्च और जनाक्रोश रैली निकाली गई और सभी धर्म के लोगों ने मिलकर पीड़िता के दिवगंत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की है। वहीं विभिन्न सभी धर्म के विभिन्न समाज और संगठन के लोगों ने सरकार से पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की मांग की है और मामलें में पुन: सीबीआई जांच और दुबारा पोस्टमार्टम की मांग करते हुए मामले में बड़ी बारीकी से सही जांच की मांग की है ताकि मृतका पीड़िता के साथ न्याय हो सकें।

शिविर में शिकायत के बाद वनअधिकार पट्टा वितरण एवं शासकीय कार्य में लापरवाही बरतने वाला पटवारी सन्तोष गुप्ता को किया निलंबित

जोहार छत्तीसगढ़-फरसाबहार।

जिले के अनुविभागीय मण्डल फरसाबहार में वनअधिकार पट्टा वितरण में देरी एवं शासकीय कामकाज में लापरवाही बरतने के आरोप में खुटगांव क्षेत्र के हल्का नम्बर 02 संतोष कुमार गुप्ता पटवारी को अनुविभागीय अधिकारी शबाब खान ने निलंबित किया है। एसडीएम खान के निर्देश पर पटवारी को निलंबित कर दिया गया। लिखित आदेश में कहा गया है कि सम्बन्धित पटवारी को 18 अगस्त 2021 को इस कार्यालय के प्रदाय दिनांक से आज पर्यंत तक विवरण नही किया जाना अनुशासन हिनता एवं कर्तव्य के प्रति घोर उदासीनता प्रतीत होता है। शासन के निर्देशों का पालन नही किये जाने अनुशासनहिनता अपने कार्य के प्रति लापरवाही बरतने के कारण पटवारी हल्का नम्बर 02 सन्तोष कुमार गुप्ता तत्काल प्रभाव से निलंबन किया जाता है। सम्बंधित पटवारी को मुख्यालय तहसील कार्यालय निर्धारित किया जाता है। वही ग्राम खुटगांव का प्रभार सुधीर तिर्की को देते हुए कार्यालय को अवगत कराने आदेश जारी की गई है। निलंबन अवधि तक नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

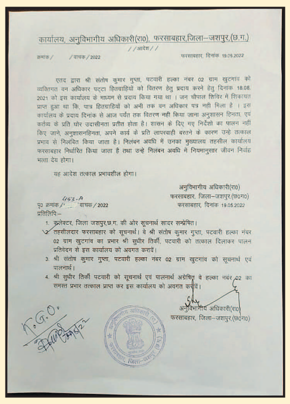

कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी(रा0), फरसाबहार,जिला-जशपुर,(छ.ग.)

//आदेश//

क्रमांक/ /वाचक/2022 फरसाबहार, दिनांक 19.05.2022

एतद द्वारा श्री संतोष कुमार गुप्ता, पटवारी हल्का नंबर 02 ग्राम खुटगांव को व्यक्तिगत वन अधिकार पट्टा हितग्राहियों को वितरण हेतु प्रदाय करने हेतु दिनांक 18.08.2021 को इस कार्यालय के माध्यम से प्रदाय किया गया था। जन चौपाल शिविर में शिकायत प्राप्त हुआ था कि, पात्र हितग्राहियों को अभी तक वन अधिकार पत्र नही मिला है। इस कार्यालय के प्रदाय दिनांक से आज पर्यंत तक वितरण नही किया जाना अनुशासन हिनता एवं कर्तव्य के प्रति घोर उदासीनता प्रतीत होता है। शासन के दिए गए निर्देशो का पालन नहीं किए जाने, अनुशासनहिनता, अपने कार्य के प्रति लापरवाही बरतने के कारण उन्हे तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय फरसाबहार निर्धारित किया जाता है तथा उन्हे निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

अनुविभागीय अधिकारी(रा0)
फरसाबहार, जिला-जशपुर(छ0ग0)

पृ0 क्रमांक/453-A वाचक/2022 फरसाबहार, दिनांक 19.05.2022

प्रतिलिपि-

1. कलेक्टर, जिला जशपुर,छ.ग. की ओर सूचनार्थ सादर सम्प्रेषित।
2. तहसीलदार फरसाबहार को सूचनार्थ। वे श्री संतोष कुमार गुप्ता, पटवारी हल्का नंबर 02 ग्राम खुटगांव का प्रभार श्री सुधीर तिर्की, पटवारी को तत्काल दिलाकर पालन प्रतिवेदन से इस कार्यालय को अवगत करावें।
3. श्री संतोष कुमार गुप्ता, पटवारी हल्का नंबर 02 ग्राम खुटगांव को सूचनार्थ एवं पालनार्थ।
4. श्री सुधीर तिर्की पटवारी को सूचनार्थ एवं पालनार्थ अग्रेषित वे हल्का नंबर 02 का समस्त प्रभार तत्काल प्राप्त कर इस कार्यालय को अवगत करावें।

अनुविभागीय अधिकारी(रा0)
फरसाबहार, जिला-जशपुर(छ0ग0)

अभ्यास वर्ग में जैविक कृषि के प्रति किसानों को किया जागरूक

कोरबा । भारतीय किसान संघ जिला कोरबा का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग अटल समरसता भवन तिलकेजा में आयोजित किया गया। इस दौरान कृषि विभाग, उद्यान एवं वन विभाग ने किसानों के लिए संचालित योजनाओं व जैविक कृषि को बढ़ावा, किट नियंत्रक कार्यशाला, जीवामृत एवं बीज उपचार के जैविक पद्धतियों की जानकारी दी।

अभ्यास वर्ग का उद्घाटन अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य विशाल चंद्राकर, संघ के जिला अध्यक्ष तारा सिंह कंवर व पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अंबिका प्रसाद जायसवाल ने भगवान बलराम और भारत माता के चित्र के समक्ष पर दीप प्रज्वलित कर किया गया।

ईंट भट्टे में कार्यरत श्रमिकों के बच्चे विभिन्न गतिविधियों से सीख रहे पढ़ना लिखना

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

जिला शिक्षा अधिकारी, जिला बेमेतरा के निर्देशानुसार गुनरबोड़ ईंट भट्ठा पर कार्य करने वाले श्रमिकों के शाला त्यागी अप्रवेशी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने व कोविड 19 महामारी के दौरान बच्चों को पढ़ने-लिखने संबंधी हुए नुकसान की भरपाई के उद्देश्य से गुनरबोड़ ग्राम बेमेतरा नगर स्थित ईंटभट्ठे श्रमिकों के 22-30 बच्चों को 29 अप्रैल 2022 से शासकीय प्राथमिक शाला, गुनरबोड़ एवं कोबिया के शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा नियमित कक्षा संचालित की जा रही है। शासकीय प्राथमिक शाला, कोबिया की शिक्षिका कुमारी सीमा मिश्रा अपने शाला के अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ वहां पूर्व से ही बच्चों के लिए कार्य कर रहे हैं। योजना अनुरूप कार्य करते हुए पहले दिन बच्चों से दो गतिविधि करवाई गई। एक बहुत ही आनंददायी गतिविधि करवाई गई जिसका उद्देश्य बच्चों को आनंदित करते हुए उनसे घुलना मिलना था। तत्पश्चात एक अन्य गतिविधि नंबर जंप करवाई गई। दोनों ही गतिविधि बच्चों के मौखिक भाषा विकास, संख्या नाम एवं उसके निर्धारित संकेत को समझने, गणित के एक अंक के जोड़ घटाव संक्रिया सीखने से संबंधित थे। अगले 7 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में इन बच्चों को ऐसे ही बस्ता मुक्त, खेल व रोचक गतिविधियों जैसे चित्र पठन, चित्रकला, कहानी लेखन, हाव भाव द्वारा कविता पठन, गणित के पहेलियां आदि के माध्यम से इन बच्चों में मौखिक भाषा विकास के साथ-साथ बुनियादी पढ़ने लिखने एवं गणितीय कौशल विकसित करने की योजना है।

नारी सम्मान, देश का सम्मान

महिलाएं अपने परिवार के साथ-साथ देश की स्वर्णिम विकास के लिए अपनी अहम भूमिका निभा रही-डॉ.रश्मि चंद्राकर

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

ग्राम जलकी सिरपुर में एसबीआई लाइफइंश्योरेंस परिवार महासमुंद के द्वारा नारी शक्ति के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महासमुंद जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ रश्मि चंद्राकर हुई शामिल। कार्यक्रम में तारा ध्रुव माध्यमिक शिक्षा मंडल सदस्य, आदिवासी प्राधिकरण के सदस्य मोहित ध्रुव, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष त्रिलोकी राधेश्याम ध्रुव, रूप कुमारी ध्रुव, एसबीआई प्रमुख अभिषेक सिन्हा एवं झलप.पटेवा.सिरपुर की मितानिन बहनें की विशेष उपस्थिति रही। जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. रश्मि चंद्राकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि नारी सम्मान देश का सम्मान है जैसे एक महिला अपने परिवार को किसी भी मुसीबतों से बचाकर आगे बढ़ाती है वैसे ही आज नारी शक्ति देश के स्वर्णिम विकास के लिए अहम भूमिका निभा रही हैं। हमें यह भूलना नहीं चाहिए कि नारी शक्ति की सबसे बड़ी उदाहरण देश की पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने एक महिला होते हुए भी देश की बागडोर संभाली थी। जिनके कार्यकाल में बड़े-बड़े निर्णय लिए गए। वह इंदिरा नारी ही थी जिन्होंने बैंकों की राष्ट्रीयकरण किया आज मुझे खुशी हो रही है कि नारी के सम्मान में भारतीय स्टेट बैंक के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया है। ऐसे कार्यक्रम होते रहना चाहिए जिससे महिला शक्ति को सम्मान मिलता है।

और महिलाओं का सम्मान 1 दिन नही बल्कि पूरे 365 दिन सम्मान होना चाहिए क्योंकि नारी बढ़ेगी तभी ने समाज नया इतिहास गढेगी। डॉ. रश्मि चंद्रकार द्वारा कार्यक्रम के आयोजकों को बहुत-बहुत बधाई दी। कार्यक्रम में कोरोना काल में उत्कृष्ट कार्य कर रही मितानिन बहनों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में और भी प्रमुख वक्ताओं ने अपना उद्बोधन दिया। नारी शक्ति सम्मान कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राधेश्याम ध्रुव, हेमलता सेन, हेमवती यादव, रूप कुमारी ध्रुव, श्रद्धा ध्रुव, रमेश कुमार चौधरी सरपंचद्ध ममता चंद्राकर, सुमन पटेल, ओम प्रकाश यादव, केशव चौधरी, देवकी साहू, रमेश कुमार चौधरी, टिकेश्वरी ध्रुव, जग सिंह ध्रुव, रीमन ध्रुव झलक पटेवा सिरपुर की मितानिन बहने तथा एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस परिवार के सभी सदस्य और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

आरसेटी ने 19 सदस्यों का दस दिवसीय पापड़, आचार, मसाला पावडर मेंकिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार जिला पंचायत बैकुण्ठपुर एवं जिला अग्रणी प्रबंधक की अनुमति से सेन्ट्रल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में 17 मई से 26 मई 2022 तक दस दिवसीय पापड़, आचार एवं मसाला पावडर मेंकिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें कुल 19 महिलाओं ने सफ लतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण में गरिमा गुप्ता द्वारा थ्योरी एवं प्रायोगिक कक्षा,रानी गुप्ता द्वारा ईडीपी प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षण समाप्ति के दिन नेहा सर्वकार एवं निलान्द्री विशाल के द्वारा असेसमेंट लिया गया। इस दौरान महिलाओं को स्वावलम्बन एवं आत्मनिर्भरता हेतु भी प्रेरित किया गया। प्रशिक्षण समापन में नाबार्ड के डीडीएम संजीब प्रधान तथा अग्रणी जिला प्रबंधक एवं आरसेटी निदेशक विकास कुमार गुप्ता उपस्थित रहे। प्रधान के द्वारा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, अटल पेंशन योजना, फर्जी चिट फण्ड कम्पनी के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही व्यक्तित्व विकास, मनोबल बढ़ाने तथा नैतिक उत्थान हेतु भी निदेशक द्वारा मार्गदर्शन दिया गया।

तेरह वर्षीय नाबालिग स्कूली छात्र ने लगाई फांसी

बिन मां बाप का नाबालिग आत्महत्या पर कारण जुटाने में लगी देवभोग पुलिस

जोहार छत्तीसगढ़-देवभोग।

देवभोग के नदी पार आत्महत्या का एक ऐसा मामला सामने आया है जिसमे एक तेरह वर्षीय स्कुली छात्र ने फांसी लगा ली। इतनी कम उम्र में आत्महत्या का क्षेत्र में ये पहला मामला है खवासपारा से आधा किलोमीटर दूरी पर तालाब के किनारे सरगीबहली का नाबालिग के आत्महत्या को लेकर कई संशय बनी हुयी है। नाबालिग गांव के उच्च प्राथमिक शाला में पांचवीं कक्षा का विद्यार्थी था। वो जबसे मां का निधन हुआ उसके बड़े पापा बड़ी मम्मी पाल पोष रहे थे। सालभर पहले पढ़ाई छोड़ चुका था नाबालिग के आत्महत्या को लेकर जहां गांव में सनसनी फैल गया है वही परिजनो में मातम की स्थिति छायी हुयी है।

देवभोग पुलिस मामले पर छानबीन में जुटी

कोटवार के माध्यम से देवभोग पुलिस को सूचना के बाद देवभोग पुलिस की टीम खवासपारा पहुंचकर पेड़ से नाबालिग के पार्थिक शरीर को उतारा लाश के पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिये देवभोग चीरघर भेजा वहीं मामले पर देवभोग पुलिस पुछताछ कर छानबीन में जुट गयी है। देवभोग टीआई चंदन मरकाम ने बताया पोस्टमार्टम के बाद आत्महत्या का कारण स्पष्ट हो पायेगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीतापुर में मास्टर आफ डेंटिस्ट और रेडियोलॉजिस्ट डेंटल मेडिकल ऑफिसर के जरिए दांतों से संबंधित बीमारियों का इलाज जारी

जोहार छत्तीसगढ़-सीतापुर।

सरगुजा जिले के सीतापुर इलाकें में मुंह के कैंसर और दांतों से संबंधित बीमारियों से जूझ रहें मरीजों को अब प्राइवेट क्लीनिकों में जाने की मजबूरी और अपने जेब ढीली करने की जरूरत नहीं होगी।

क्योंकि अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीतापुर में मास्टर ऑफ डेंटिस्ट ओएम और रेडियोलॉजिस्ट डेंटल मेडिकल ऑफि सर की नियुक्ति अब सीतापुर के शासकीय अस्पताल सीएचसी सीतापुर में हो चुकी है जहां मुंह के कैंसर की जांच और दांतों से संबंधित बीमारियों का ईलाज हो सकेगा। आपको बता दे कि मुंह के कैंसर की जांच और दांतों से संबंधित बीमारियों का ईलाज अब सीएचसी सीतापुर में मास्टर ऑफ डेंटिस्ट डॉक्टर पूर्वी यादव के द्वारा किया जा रहा है। आपको बता दे कि मीडिया से खास बातचीत में मास्टर ऑफ डेंटिस्ट व्ड और रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर पूर्वी यादव ने बताया कि सीएचसी सीतापुर में उनकी नियुक्ति होने के बाद उन्होंने लगातार 5 गांव में कैंप लगाया है और ग्रामीण इलाकों में जाकर मुंह के कैंसर की जांच की है और ग्रामीणों के दांत से संबंधित बीमारियों का ईलाज भी कैंप लगाकर किया है और अब वे सीएचसी सीतापुर में मुंह के कैंसर के मरीजों की जांच और दांतों से संबंधित बीमारियों का ईलाज कर रही हैएवहीं उन्होंने मीडिया के माध्यम से सीतापुर क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि अगर उन्हें मुंह के कैंसर और दांतों से संबंधित कोई भी समस्या है तो वे सीएचसी सीतापुर पहुंचकर अपना ईलाज करा सकते है क्योंकि शासकीय अस्पताल में अब बिना किसी फीस के वे अपना ईलाज अच्छे से करा सकते है क्योंकि प्राइवेट क्लीनिकों में जाकर उन्हें मोटी रकम खर्च कर अपना जेब ढीला करना पड़ता है अब उनका ईलाज सीएचसी सीतापुर में अच्छे से हो सकेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक -**नारायण बाईन,** फोन -फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in